भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2635

दिनांक 16 दिसंबर, 2025 के लिए प्रश्न

दुग्ध उत्पादक किसानों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम

2635. श्री मलविंदर सिंह कंगः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पंजाब में दुग्ध उत्पादक किसानों के लिए नियोजित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त कार्यक्रमों के लिए आवंटित निधि और उक्त कार्यक्रमों के अंतर्गत अब तक उपयोग की गई निधि कितनी है; और

(ग) प्रशिक्षण सत्रों की संख्या कितनी है और उनमें शामिल प्रमुख विषयों जैसे संतुलित आहार, रोग प्रबंधन और टिकाऊ दुग्ध उत्पादन पद्धतियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ग) पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार पंजाब सहित पूरे देश में राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) कार्यान्वित कर रहा है, जिसके अंतर्गत डेयरी किसानों को प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसमें किसानों, दुग्ध उत्पादकों और डेयरी सहकारी समितियों (DCS) के कर्मचारियों और सदस्यों को अच्छी साफ-सफाई तथा उत्पादन पद्धतियों, स्वच्छ दूध उत्पादन, दुधारू पशुओं के पालन, संतुलित गोपशु आहार, हरा चारा और खनिज मिश्रणों को अपनाने तथा अन्य संबंधित पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाता है। एनपीडीडी के अंतर्गत, पंजाब राज्य के लिए 445.63 लाख रुपये की राशि संस्वीकृत/अनुमोदित की गई है और 109.75 लाख रुपये का उपयोग (दिनांक 11.12.2025 तक) किया जा चुका है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत पंजाब सहित राज्यों को प्रजनन शिविरों, दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिताओं और बछड़ा रैलियों के आयोजन के लिए निधियां उपलब्ध कराई जाती हैं। इस योजना के प्रारंभ से लेकर अब तक पंजाब राज्य को प्रजनन शिविरों के आयोजन, दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिताएं, बछड़ा रैलियां आदि आयोजित करने के लिए निधियों सहित इस योजना के अंतर्गत अनुमोदित कार्यकलापों और घटकों के लिए 58.97 करोड़ रुपये की निधि जारी की गई है तथा इसमें से 56.4 करोड़ रुपये का उपयोग किया जा चुका है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित योजना के अंतर्गत अनुमोदित प्रशिक्षण सारणी और प्रतिभागियों की कवरेज के अनुसार आयोजित किए जाते हैं।

****